दबाव मुक्त होना

धन्यवाद, भाई रुडेल। मैं यह जानकर आनंदित हूं कि सुसमाचार में मेरा एक पुत्र है। [एक भाई कुछ कहता है—सम्पा।] हां। अच्छा, ठीक है। यह अच्छा है। जी हां, निश्चय ही मैं भाई रुडल की सराहना करता हूं। मैं—मैं विश्वास करता हूं पौलुस के पास एक बार एक पुत्र था, तीमुथियुस कहलाया, उसने उसे सुसमाचार में पुत्र कहा।

2 और यदि मैं पक्का नही हूं, यह फ्लोस्यी फोर्ड हुआ करती थी? [बहन फ्लोस्यी कहती है, "हां।"—सम्पा।] ओह, मेरे प्रभु! फ्लोस्यी, मैं... बहुत समय हो गया। जी हां, यह था। मुझे याद है, जब मैं एक लड़का था उसका भाई, लोयड, और मैं आसपास एक साथ भागते फिरते थे, और वह एक बड़ा सा केक बनाती थी, आप जानते हैं, हम वहां आते उसे तब तक खाते रहते थे जब तक कि बीमार होने वाले हो जाए।

3 एक बार मुझे याद है उन्होंने मुझे बुलाया, लोयड ने बुलाया। और हम... फ्लोस्यी ने बनाया था। वह तब छोटी सी थी। उसने बड़ा सा केक बनाया, और—और हम तब तक खाते रहे जब हम और ना खा सके। मैंने सोचा, "अब मैं सारी रात लोयड के ही साथ रुकने जा रहा हूं।" थोड़ा सा अंधेरा हो गया, आप जानते हैं, और मैंने—मैंने घर जाना है यह ठाना लिया था। और इसलिए मैं—मैं उठा और सड़क की और भाग लिया, और करने मृत्यु से डर कर घर जाने की कोशिश कर रहा था।

4 और मुझे—मुझे स्मरण है उसके पिता। मैं समझता हूं आपकी मां अब भी जीवित है। भाई, बहुत ही अच्छा। और उन दिनों में बहुत सा पानी उस नदी से बहकर नीचे आ गया था। जी हां। अब हम लोग अधेड़ हो गए हैं, और दादा–दादी। ठीक है, लेकिन, वहां एक जगह है जहां हम कभी आयु में नहीं बढ़ेंगे। समझे? फ्लोस्यी, मुझे जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि तुम उस देश की राह देख रही हो, और आश्वासन जो तुम पाओगी।

5 और जिम, जिम कैसा है? क्या वह... हां मुझे वह याद है। जिम, वह उसका पति है। और मुझे उसकी अच्छी याद है। मैं कुछ बच्चों को जानता हूं। जो हम उस समय में थे, मुझे कार्यक्षेत्र में जाना होता था, जब उनका विवाह हुआ, और उनके बालक बड़े हो रहे हैं। और हम एक प्रकार से दूर

हो गए, आप जानते हैं, एक दूसरे से।

6 अलग मैं भाई लोलीड को कभी–कभी देखता हूं, सड़क पर उसको चिल्लाता हूं। उन्होंने बहुत बार मेरे लिए खाना पकाया। और मैं... सगे भाई और बहन के समान।

7 अब, मुझे यह देख कर बड़ी प्रसन्नता है कि भाई रुडेल का पहला प्रयास यहां इस स्थान में था; मत परिवर्तन, आरंभ, सड़क वाले घर को प्रभु के घर में बदल दिया। यह बहुत ही अच्छा है।

8 और नि:सन्देह, आप जानते हैं यदि कभी–कभी यदि आप कुछ पहले से देख लेते हैं, आप जानते हैं, और—और यह अच्छा होता है। इसलिए हम पहले से देख सकते हैं कि इस लड़के में कुछ अच्छा है। और वह संकोची था। उसका पिता और मैं, वहां वर्षों पहले एक साथ काम किया करते थे। और मैं जानता हूं उसके पिता उच्च पद पर थे और उन्नति करने वाले, तो फिर यह बात पुत्र में क्यों ना हो? मैं जानता हूं उसकी प्यारी मां थी। इसलिए, वह भली प्रकार से पाला पोसा गया, इसलिए उसके पीछे कुछ अच्छा है, आप समझे। और उसके हृदय में था कि प्रभु की सेवा करें! जब गहराई, गहराई को पुकारती है, तो उसका उत्तर देने के लिए गहराई होनी चाहिए। और भाई रूडेल को आगे बढ़ता देख मुझे प्रसन्नता है।

9 यह शानदार लोगों का झुंड वहां है। और यह मेरे लिए सौभाग्य है, आज रात्रि, कि यहां आकर, इन संतों के झुंड से बातें करूं जो यहां परदेसी है। हम नहीं... यह हमारे रहने का स्थान नहीं है, आप जानते हैं। हम परदेसी हैं। हम, हम लोग घर पर नहीं है।

10 मुझे याद है, भाई बहन रुडेल, आप वहां कैसे उसके साथ आया करती थी और वहां बैठती थी। और वह अपना सिर नीचे रखा करता था। और आप में बहुत आत्मविश्वास था। निश्चय ही उन्होंने किया। उसने विश्वास किया कि वह—वह सुसमाचार प्रचार करेगा। और इस प्रकार की अच्छी पत्नी के संग, और पिता और माता और सब उसके लिए प्रार्थना करते हैं, भाई रुडेल कुछ तो होना ही था। इसलिए ये यहां पर है। और मैं प्रार्थना करता हूं, भाई रुडेल कि यह तुम्हारे लिए एक—एक खड़े रहने का स्थान होगा, जहां सुसमाचार की महिमा के लिए तुम ऊंचाइयों की ऊंचाई पर जा सकते हो।

11 मैं जानता हूं कि भाई और बहन रुडेल, मैक्स वहां पर है, क्या आज

रात्रि आप इस विषय में आनंदित है। मैं बिली पॉल को प्रचार मंच पर खड़े हुए देखना पसंद करूंगा। कि किसी दिन जोजफ को प्रचार मंच पर खड़े और मैं आशा करता हूं देखूंगा। और यह बहुत ही शानदार है।

12 हमारा परिश्रम और कठिनाइयां तब जो हमारी है, बालकों का पालन उनकी युवा आयु और आदि–आदि, और तब हमें अच्छा लगता है। पीछे मुड़ कर देखते हैं आपके पिता के बाल सफेद और आदि–आदि। याद रखे, अपनी—अपनी गलतियों को जो हमने की वहां रखते हैं। और यह—यह ठीक बात है।

13 तो, यहां होना अच्छा है। और मेरा गला थोड़ा सा खराब है। प्राचारते हुए। मैंने और भाई जीन गोड ने कल एक छोटी यात्रा की, और वहां गए। और मछली खा रही थी। और—और इसलिए हमारा बहुत अच्छा समय था, देर से आए। और हम एक प्रकार से पानी पर से गए, और थोड़ा सा ठंडा था, परंतु मैं विश्वास करता हूं कि आप मेरे साथ सहन करेंगे।

14 अब, हम गर्मी के अभियान के लिए जाने को तैयार है, लगभग नब्बे दिन का अभियान। अगस्त के अंत में आने की आशा करते हैं, सितंबर के पहले में। और अब हम जा रहे हैं। इस—इस सप्ताह, मैं ग्रीन वे मिशिगण से, आरंभ करके, वापस शिकागो में रविवार दोपहर बाद आऊंगा, हाई स्कूल, एक बेदारी में। मैं क्रिश्चन बिजनेसमैन की ग्रीन वे विस्कोनसिन बेदारी में बोलने जा रहा हूं। और फिर, वहां से, शिकागो की ओर। और फिर मैं सोमवार को शिकागो बेदारी की एक—एक सभा में हूं, भाई जोसफ बोजे के लिए मिशनरी रैली में। और फिर घर वापस, कि दक्षिण में जाऊं, साउथन पाईन, नोर्थ करोलीना, और नीचे दक्षिण केरोलीना में। और फिर काऊ पैलेस साऊथ गेट पर लोस एन्जेलस, लगभग चालीस कुछ कलिसियाये वननेस सभाओ को भार उठा रही है। पहली बार वननेस ने कभी मेरी सभा का भार उठाया।

15 फिर वहां—वहां ऊपर केलिफोर्निया ओरिगाव से होते हुए केनडा में। और वहां से एन्कोरेज, अलास्का। और उसके बाद इस जाड़े से पहले फिर वापस, जहां भाई जोजफ बोजे केनिया, तनगनईका, आरबन, अफ्रीका, दक्षिणी अफ्रीका में, बाद में जाडे के समय में वहां सभा की तैयारी करेंगे।

16 अब यह कहते हुए कि मुझे इन स्थानों में जाने की अगुवाई है, मैं नहीं। परंतु मैं अनुभव करता हूं इन किन्हीं जगहों में बीज बोना चाहिए, राज्य के

लिए जो भी मैं कर सकता हूं।

17 आइये हम फिर से अपने सिरों को झुकाए एक और प्रार्थना करे। यह नहीं कि हमने प्रार्थना नहीं की है, परंतु प्रभु से सहायता मांगने को कि यहां अब मेरी सहायता करें, जो आपके लिए कुछ वचन देगा।

18 हमारे स्वर्गीय पिता, अब हम तेरे अनुग्रह के सिंहासन पर, प्रभु यीशु के नाम से आ रहे हैं, जिसने हमें अनुमति दी है और हमें बुलाया है, और जो भी हमने मांगा है वह हमें प्रदान किया जाएगा जैसा कि हम आते हैं। और हम यह बिल्कुल नहीं मांगते, कि आपके साथ में खड़े हो। परंतु हम अनुग्रह के सिंहासन पर खड़े होना चाहते हैं, ताकि हम अनुग्रह पा सके, अपनी गलतियों को मानते हैं। और हम में कुछ भी अच्छा नहीं। परंतु प्रभु हम अपने को प्रस्तुत करते हैं। हम कुछ नहीं चढ़ा सकते, सिवाये हमारे प्रभु यीशु की प्रार्थना, और निमंत्रण कि उसने यह कहा, "वह जो मेरा वचनों को सुनता और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है उसके पास अनंत जीवन है, और वह न्याय में नहीं आएगा, परंतु मृत्यु से पार होकर जीवन में आ गया।" हम यह विश्वास करते हैं। उसने हमें बुलाया, कि उसके नाम से कुछ भी मांगे तो तुम्हें दिया जाएगा। हम यह विश्वास करते हैं।

19 अपने विश्वास के आधार पर, हम आपसे मांगने को आते हैं कि इस कलीसिया को आशीष दे, और हमारे भले भाई रुडेल को और उसके परिवार को, और सारे परिवारों को जो यहां पर उपस्थित है।

20 जैसा कि मैं देखता हूं और श्रीमति मोरिस को आज रात्रि यहां है और बीते दिनों को याद करता हूं। और परमेश्वर, जैसा की मैंने उनसे कहा, नदी का पानी बहुत नीचे चला गया, और बहुत से खतरे, परिश्रम, और फंदे। प्रभु, आप हमें उन सब में से निकल लाए, और हमारा भरोसा आप में है, कि हम आप में अपने मार्ग के अंत में होंगे।

21 इस इस स्थान को आशीषित करें। प्रभु, अपना नाम यहां रखे, और इन्हें जो अपने स्थान को लिए ठहराया है सबसे अच्छा दे। होने पाए बुराई, जैसा कि आज रात्री भाई ने प्रार्थना की है, इस युवा पुरुष ने प्रार्थना की है कि आप सारी रूकावटों को दूर कर देंगे। प्रभु, इसे ग्रहण करें। और इसकी प्रार्थना का उत्तर दे।

22 हमारे बीच जो बीमार है उन्हें चंगा करें। और जो धर्म के भूखे और प्यासे

हैं उन प्राणों का उद्धार करें। और अब, प्रभु, आवाज और—और यत्न को पवित्र करें, अपने निकम्मे दास को। और अपने वचन को आशीषित करें, और यह खाली वापस ना आए। परंतु यह ऐसा ही होने पाए, और जिस उद्देश्य के लिए है वह पूरा हो। पवित्र आत्मा परमेश्वर की बातों को ले, और आज रात्रि हमारे ह्रदयो को प्रोत्साहित करें, महान से छोटे तक। हम यह यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

23 अब, इस प्रातः मैंने लंबा प्रचार किया। और मुझे प्रचार के विषय में मालूम नहीं था। मैं एक प्रकार से सन्डे स्कूल पाठ कि शिक्षा दे रहा था। एक दिन, मैंने छह घंटे सिखाया। आज रात्रि उतना बुरा नहीं होगा, मैं निश्चित हूं।

24 परंतु यहां मेरे पास एक छोटा मूल पाठ है, कि मैं थोड़ा सा पवित्र वचन पढ़ना चाहता हूं, क्योंकि मैं जानता हूं उसका वचन असफल नहीं होगा। मेरा हो सकता है। मेरा यह हो सकता है। और मैं यत्न करूंगा कि अपना वचन उसके साथ बनाए रखूं, और उसका वचन लू; अपना वचन लेकर, उसके वचन के चारों ओर एक प्रसंग बनाऊं, जैसा हम उसके विषय के लिए प्रयोग करते हैं।

25 आज रात्रि मैं दो स्थानों से पढ़ना चाहता हूं। मैं नीतिवचन की पुस्तक में से पढ़ना चाहता हूं, 18वां अध्याय, और 10वां पद एक स्थान। और दूसरी जगह, मैं यशायाह 32:2 से पढ़ना चाहता हूं। अब नीतिवचन 18:10 में।

> *यहोवा का नाम दृढ़ गढ़ है: धर्मी उसमें* भागकर, *और सब दुर्घटनाओं से बचता* है।

26 अब यशायाह की पुस्तक में, 32वां अध्याय, 1ला और 2रा पद।

> *देखो, एक राजा धर्म से राज्य करेगा, और* एक राजकुमार *न्याय से हुकूमत करेगे।*
>
> *हर एक मनुष्य मानो आंधी से छिपने का स्थान और बौछार से आड़ होगा; या निर्जल देश में जल से झरने, वे तप्त भूमि में बड़ी चट्टान की* एक छाया।

27 और अब एक मूल पाठ से, मैं इसे एक विषय के रूप में प्रयोग करना चाहता हूं, दब... *दबाव मुक्त होना*। यह एक विचित्र विषय है, "दबाव मुक्त होना।" मैंने इसे इसलिए चुना, क्योंकि यहां सभा में आने से पहले मैं सदा

प्रार्थना करने की कोशिश करता हूं, और प्रभु को खोजने का यत्न करता हूं। ना कि छोटी या बड़ी भक्त मंडली के सामने खड़े होने के लिए, एक से दस लाख होना, खड़ा होऊं वहां दिखाने के लिए ना खड़ा होऊं या सुनाई पड़ने के लिए, परंतु कुछ ऐसा करूं कि मेरे प्रभु की महिमा हो, इसलिए, देखना लोगों की आवश्यकता है।

28 मैं यहां अपने को सुनने के लिए नहीं आऊंगा, क्योंकि मुझ में सुनने का कुछ नहीं; खराब आवाज, ना ही शिक्षित व्यक्ति। और कभी अपने विषय के साथ बना नहीं रहता हूं; उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक छलांग मारता हूं। और मैं—मैं एक—एक—एक कोई बहुत अच्छा वक्ता नहीं, परंतु मैं प्रभु से प्रेम करता हूं। और मैं—मैं मसीह से प्रेम नहीं कर सकता जब तक कि उसके लोगों से प्रेम ना करूं। समझे? मुझे उसके लोगों से प्रेम करना ही है। इसलिए यदि मैं उसके लोगों से प्रेम करूं, तो मैं उससे प्रेम करता हूं।

29 और तब मैंने चाहा जैसा उसने किया। मैं अपने उद्देश्य भी वैसे रखना—रखना चाहता हूं जैसे उसने रखे थे, हमेशा अच्छा करने का यत्न करना, किसी की सहायता करना।

30 इस दिन को देखते हुए जिसमें हम रह रहे हैं, और जानते हुए कि कलीसिया के पास एक अच्छा पास्टर है...

31 अब, मैं यह खुश करने के लिए नहीं कहता, यह मैं अपने हृदय से कहता हूं, यदि मैं कुछ भी भिन्न कहूं, तो मैं—मैं एक ढोंगी हूं। और मैं—मैं विश्वास करता हूं कि इस कलीसिया के पास पास्टर है, जो सत्य पर खड़ा होगा चाहे जो हो। मैं यह विश्वास करता हूं। यह मेरा भरोसा अपने—अपने पुत्र में है। और मैं—मैं इसका विश्वास करता हूं। और मैं... और वह उतना ही निडर है जितना कि वह हो सकता है। और आप... मैं विश्वास करता हूं, वह सम्मानित पवित्र मनुष्य, परमेश्वर का अंत समय की सेवकाई के साथ। और वह वचन का वही भाग प्रचार करता है जो मैं प्रचार करता हूं, ये उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक जिस प्रकार कि यह लिखा है। और मुझे यह पसंद है। कोई समझौता नहीं, बस वचन के साथ बना हुआ है, और मुझे यह अच्छा लगता है।

32 परंतु तब मैंने सोचा इस प्रकार के मनुष्य के साथ, मेरे लिए कि उसके प्रचार मंच के पीछे आकर खड़ा होऊं, फिर भी एक युवा पुरुष, मैं क्या

कह सकुंगा जो उसकी भक्त मंडली की सहायता करेगा? क्योंकि इसलिए मुझे चाहा कि मैं आऊं। वह एक चरवाहा है, और अपनी भेड़ो की देखभाल कर रहा है। अब इसलिए हो सकता है कि यहां सोचेगा, एक प्रकार का आसपास छोटा सा बदलाव कि उसके लोगों कि कुछ सहायता हो सके। उसकी रुचि आप में है। वह आपकी भलाई में रुची रखता है। दिन और रात, वह किसी भी समय कहीं भी कोई भी सहायता करने के लिए जाएगा जो वहां कर सकता है। तो, वह—वह परमेश्वर का एक वास्तविक दास है।

33 और जैसा कि उसने कहा, उसने मुझे कष्ट दिया, या परेशान किया या मुझे सताया है, या कुछ वह यह नहीं करता है। इससे मुझे उससे और अधिक प्रेम हो जाता है, जब वह कहता रहता है, क्योंकि मुझे यह अच्छा लगता है, क्योंकि उसे मुझ में भरोसा है। यह दिखाता है कि वह मुझे अपनी भेड़ो के सामने लाएगा यदि मैं सोचूं कि मैं उन्हें आघात पहुंचाने जा रहा हूं। नहीं। नहीं कोई चरवाहा ऐसा नहीं करेगा। क्योंकि, वह सोचेगा मैं वह करूंगा जो सही होगा। और यह एक... वह... यह एक महान सौभाग्य वह मुझे देता है जब वह मुझे से आने को कहता है। और मुझे उसका—उसका उद्देश्य पसंद है, यह वह है "लगे रहो जब तक हो ना जाए।" यह विश्वास का एक—एक पुरुष है, और मैं यह पसंद करता हूं।

34 इसलिए मैंने सोचा कि, "मैं उसकी मंडली से क्या बोलूंगा?" मैंने सोचा, "भाई, वह हर चीज में प्रशिक्षित है, कोई संदेह नहीं।" परंतु आज लोगों पर एक दबाव है। और उस दबाव की कोई सीमा नहीं है, या किसी नामधारी की पंक्ति में। इसकी कोई आयु सीमा नहीं। व्यक्ति से कोई मतलब नहीं। यह युवा और बूढ़े, अच्छे और बुरे पर है। यह हर एक पर है: दबाव।

35 हम एक तांत्रिक युग में जी रहे हैं, अधिक तनाव। हर कोई *यहां* दौड़ रहा है, और *वहां* पहुंच रहा है, और कहीं नहीं जा रहा। यह बस इस प्रकार का युग है। और मैं जानता हूं कि यह कलीसिया इससे कष्ट में है, जैसा की हर जगह इससे आफत है। आराधनालय इस महामारी में है, हर कोई ही, सारा संसार।

36 यह तनाव का दिन है। जल्दी, जल्दी; जल्दी, जल्दी; जल्दी करो और प्रतीक्षा। मील की रफ्तार पर गाड़ी चलाओ, और फिर घर पर खाने के लिए पहुंचो, और दो घंटे प्रतीक्षा करो जब तक यह तैयार हो। यह ठीक बात है। यह—यह समय है। और इस दौड़ भाग और रफ्तार में, इससे आपको

तांत्रिक तनाव हो जाता है। पत्नी कुछ थोड़ा विपरीत बोलती हैं, आप भाग जाना चाहते हैं: गुस्सा। पति कुछ कहता है, आप अपने पैर पटकेगी और उसे कहेगी कमरे में चले जाओ। समझे? "अच्छा, अब, पति अब मैं तुमसे बात नहीं करना चाहता। वहां चली जाओ।"

37 "पत्नी, ओह, मैं परेशान हूं।" समझे? क्यों? क्या मामला है? समझे?

38 और यह सब मिलकर यह तनाव बनता जाता है, और इसका परिणाम: कुछ गलत करना, असामान्य व्यवहार करना। यह सही बात है। अब, यह निर्धन से ऐसा व्यवहार करवाएगा। यह बीच के वर्ग से इस प्रकार का व्यवहार करवाएगा। यह धनी से इस प्रकार का व्यवहार करवाता है। यह इस प्रकार से गलत व्यवहार करवाएगा। यह उस प्रकार से अच्छा व्यवहार करवाएगा। यह उस प्रकार से अच्छा व्यवहार करेगा। क्योंकि यह तनाव है, जोश, बन गया। इसे कहीं तो निकलना है। समझे? आप नहीं करते तो आप बोयलर को फाड़ देते हैं।

39 अब, हम पाते हैं। कि जैसे–जैसे दिन बीतते हैं यहां बढ़ता जाता है। यदि आप काम करते हैं तो आप अपने बॉस से बात करते हैं, "ओह, *ऐसा–और–ऐसा*!" यदि आप बालकों से बात करते हैं, "इधर आओ!"

"माँ! मैं... " समझे?

आप यही है। यह बढ़ता है। ओह! प्रभु! समझे? आप अनुभव करते हैं कि आप जा रहे हैं... भेजा बाहर आ जाएगा। मैं जानता हूं। मैं इसके साथ हूं, हर दिन, इसलिए मैं—मैं जानता हूं कि इसका क्या अर्थ है। यह बनता है। मैं...

40 उस रात्रि, इस पर सोचा। मैं किसी अस्पताल में था। और हमारा पास्टर, मैंने सोचा वह बीमार था, परंतु वह बहुत थक गया था। दौड़ते, दौड़ते, दौड़ते, दौड़ते, इतना तक वो थक गया। और उनमें से कुछ ने कहा, बुलाया, उन्होंने वहां कार्यालय में बुलाया, कहा यदि मैं उसको फोन करूंगा। मैं सारे दिन कार्यों में व्यस्त रहा था, और विभिन्न जगहों से सेवकगण। मैंने कहा, "हां।" तो, मैं गया और उसके टेलीफोन किए।

41 और मैं अस्पताल में गया। और उन्होंने मुझे एक महिला का नाम दिया, और—और वह नंबर जहां पर वह थी। मैं इस कमरे में जाता हूं। मैं उस महिला के पास गया। और यह—यह मिलने आने वालों से पंद्रह, बीस मिनट पहले कि मैं उन लोगों का स्वागत करता। सो मैं गया और मैंने उस

महिला को बताया कि मैं एक सेवक हूं, मैं किसी अमूक महिला से मिलना चाहता हूं। उसने मेरे मुंह की ओर देखा। और वह कुछ कर रही थी। पहले वह घूमी, और बोली, "आप क्या चाहते हैं? "

मैंने कहा, "मैं जानना चाहता हूं इस वार्ड में वह *अमूक–अमूक* महिला कहां पर है।"

उसने कहा, "मुझे नहीं मालूम।"

मैंने कहा, "तो, मुझे एक नंबर दिया गया है, एक निश्चित स्थान, मैंने सोचा पहले मैं पूछ लू।"

कहा, "यदि आपके पास नंबर है, तो जाकर मिल ले।"

"धन्यवाद।"

मैं वहां गया और वार्ड के दरवाजे पर बैठ गया। मैने कहा, "क्या यहां कोई महिला *ऐसे–ऐसे* नाम की है? "

"नहीं।"

मैं वापस गया और अपने पर्चे को देखा। यही है जहां इसने कहा। इसलिए मैं फिर वापस गया, और महिला वहां खड़ी थी। मैंने कहा, "यह गलत नंबर था।"

"आपने उसका क्या नाम बताया था? " मैंने कहा। कहा कि, "वह मंजिल याने माले पर नहीं है।"

"धन्यवाद।" मैंने कहा, "तो फिर मैं ऊपर जाऊंगा।"

इसलिए, मैं अगले कमरे में गया। और मैं गया... पहले, वहां मेज पर एक डॉक्टर बैठा था, और वहां बैठी हुई अपना सिर खुजा रही थी। कहा, "आप कैसे हैं? " उसने बस ऊपर देखा, नीचे देखा।

ठीक, मैंने सोचा, "अच्छा हो कि मैं इसे छोड़ दूं।"

मैं थोड़ा आगे नीचे की पंक्ति में गयाल, और मैने मेज पर एक महिला को पाया, एक नर्स। कहा, "क्षमा करना।"

बोली, "आप क्या चाहते हो? "

और मैंने कहा, "क्या यहां इस *अमूक–अमूक* नाम की महिला है? "

और उसने कहा, "मुझे नहीं मालूम।" और मैंने कहा... उसने कहा...

मैंने कहा, "मैं समझता हूं मुझे एक—एक कमरा नंबर 321 या 221 चाहिए।" और मैंने कहा, "मैं उस कमरे में गया, और वहां कोई नहीं था। और महिला ने कहा, 'नीचे वहां इस नाम का कोई नहीं है, इसलिए,' मैंने कहा, 'हो सकता है ये ऊपर था।'"

और वह बोली, "तो, फिर क्यों नहीं आप दो पर... फिर 321 पर जाए।"

मैंने कहा, "धन्यवाद।"

मैं नीचे 321 पर गया, मैं... या बाईस–... 321। मैंने कहा, "क्या यहाँ कोई महिला *इस–इस* नाम की है? "

"नहीं।"

वहां एक महिला लेटी हुई थी, बोली, "वह कमरे के उधर कमरे के पार, वहां पर—पर दूसरा, इकतीस है।"

कहा, "धन्यवाद, महिला।"

मैं वहां गया, मैंने कहा, "क्या *ऐसी–ऐसी* महिला यहां है? "

"नहीं। उन्होंने उसे यहां से हटा दिया। वह नीचे है।"

मैंने सोचा, "ओह, प्रभु!"

मैं फिर से सीढ़ी से नीचे गया। मैं—मैं... और वह... उन्होंने मुझे कमरे का नंबर दिया। और मैं सीढ़ी से नीचे गया, और हर कहीं देखा... मैं फिर से उस मेज की ओर जाने से डरा। इसलिए मैंने ऊपर–नीचे देखा, उस कमरे नंबर को ढूंढने की कोशिश की। और मैंने—मैंने देखा, और मैं इसे नहीं ढूंढ पाया।

उनके छोटे–छोटे वार्ड इस अस्पताल में अलग–अलग था। और फिर एक डॉक्टर हाथ में हृदय गति जांचने के यन्त्र और बैग को लिए हुए चलता हुआ आया। मैंने कभी भी चार फुट लंबा और चार फुट चौड़ा आदमी नहीं देखा, परंतु वह लगभग समरूप सा... वह वही चलकर आ रहा था। मैंने कहा, "शुभ संध्या, श्रीमान। क्या आप बता सकते हैं *अमूक–अमूक* नंबर का कमरा कहां पर है? "

उसने कहा, "*इधर* की ओर से *वहां* बाहर की ओर।"

मैंने कहा, "जानकारी के लिए धन्यवाद।" यह सत्य है। उसने कहा, "*यहां* ऊपर से और *उधर* से बाहर।"

और मैंने कहा, "धन्यवाद!" मैंने सोचा, "अभी तक मुझे कहीं नहीं मिला।"

42 मैं पीछे मुड़कर देखा और वहां एक दयालु सी महिला वहां काउंटर पर खड़ी फिर दिखाई दी। मैं उसके पास गया, और मैंने कहा, "शुभ संध्या।"

वह बोली, "आप कैसे हैं? "

43 मैंने कहा, "महिला, मैं असमंजस में हूं।" और मैंने अपनी कहानी बताई। मैंने कहा, "यहां कहीं एक महिला है जिसका सुबह ऑपरेशन होने जा रहा है, और वह मरने पर है। मैं एक सेवक हूं, और हमारा पास्टर वहां है वह फोन नहीं कर सका, और उन्होंने मुझे एक नंबर दिया है।"

उसने कहा, "भाई ब्रंहम, एक मिनट, मैं उसे ढूंढती हूं।" वह...

"मैंने प्रभु को धन्यवाद—धन्यवाद दिया।"

उसने हर चीज नीचे रखी और उधर चली गई, और...

"ओह," उसने कहा, "हां, भाई ब्रंहम, वह कमरे में है वह *अमूक–अमूक,* आपके बाए, सीधे वहां।"

44 मैंने कहा, "धन्यवाद, बहुत–बहुत धन्यवाद।" मैं घूमा और मैंने देखा।

45 मैंने सोचा, "यही बात है, गुबार को निकालना।" हर कोई... यह एक—एक तांत्रिक रोगी युग है। हर कोई बना हुआ है। समय नहीं है। और इसने एक स्थान बना लिया है कि यह चीजों को तोड़ देता है। इसके कारण लोगों की भावनाएं कड़ी हो गई है, जब वे झड़प लेते हैं, और—और कहते हैं आपका कहने का यह अर्थ नहीं था।

46 अब, हर कोई इस बात का दोषी है। मैं दोषी हूं। आप सब दोषी है। हम, दबाव में चीजों को करते हैं, नहीं तो हम नहीं करते, इसलिए वहां एक—वहां एक दबाव अधिक है जो आज हो गया है। मैं विश्वास करता हूं... इसके पहले मैं आगे बढ़ूं, मैं ये कह सकता हूं। मैं विश्वास करता हूं यह शत्रु नीचे आ रहा है और दबा रहा है। मैं विश्वास करता हूं यह शैतान है।

47 और हम जानते हैं कि प्रभु का आगमन निकट है। और बाईबल ने कहा, अंत के दिनों में, कि, "शैतान गरजते हुए सिंह के समान करेगा।" और यदि वह आपको दबाव में, जल्द बाजी किसी चीज की भागदौड़ में लगा सके तो, आप वे निर्णय लेते हैं आप वे निर्णय नहीं लेंगे यदि आप बैठकर और इस पर सोचे।

48 लगभग तीन वर्ष पहले, मैं शिकार पर था, और मेरे साथ एक इंडियन मार्गदर्शन था। और मैं—मैं तेजी से शिकार करता हूं। यह बस, यह बस मैं हूं, देखिए, यह एक दबाव बनाने वाला है।

49 मैं उस इंडियन के साथ शिकार कर रहा था, और मैं घोड़े पर से उतरा। और वहां पहाड़ पर कुछ एल्क हिरन थे, मैं उस झुंड को घेरे में लेने लगा। वह बुढा इंडियन मुझे लगभग दस वर्ष बड़ा था। वह हांफता हुआ, मेरे पीछे आ रहा था। मैंने कहा, "आओ, कप्तान। आओ!"

कहा, "बहुत तेजी से! तेजी से!"

मैंने सोचा, "ओह, अच्छा!" मैंने कहा, "आओ, और आरंभ करो।"

50 उसने कहा, "यह बहुत तेज है!" मैं निचले गेयर में थोड़ा धीमा हो गया। "बहुत तेज!" मैं चलने लगा। "बहुत तेज है!" ओह, प्रभु!

मैंने कहा, "कप्तान, एल्क वहां पर है!"

उसने कहा, "उसे वही रहने दो। वह वहां जन्मा था।"

मैंने कहा, "मैं समझता हूं यह ठीक बात है।"

"वह वही रहता है, वह वही जन्मा था।" उसने कहा, "प्रचारक तेजी से शिकार करता है, सारे शिकार को डरा कर भगा देता है।" कहा, "इंडियन के समान करो। उन्हें एक बार चलने दो, देखो वे नौ गुना है।"

51 मुझे आश्चर्य हुआ कि मुझे किस प्रकार के अनुकूलता में होना चाहिए, कि वहां पहुंचूँ? जबकि, मैं पहाड़ पर ऊपर की ओर दौड़ लगा रहा था। उसने कहा, "उन्हें एक बार चलने दो, तब देखना वे नौ गुना है। चारों ओर देखो, हर चीज को नौ बार देखो, इसके पहले कि अगला कदम उठाओ।" ओह! परंतु, वह देखिए, वह जल्दी में नहीं था। मैं इस बात को सोचा।

52 और मेरी मूल्यवान बूढ़ी मां, जो आज रात वह महिमा में है; किसी ने कहा, "तुम क्यों नहीं आज एक सफेद फूल लगाओ, जिसका अर्थ है तुम्हारी मां मर चुकी है? "

53 मैंने कहा, "वह मरी नहीं है। मेरी माँ जीवित है।"

और फिर मैं एक लाल रंग का पहनूंगा, और फिर लोग कहते हैं, "मैंने सोचा कि तुम्हारी मां मर गई।"

इसलिए उन्हें भ्रम में ना डालूँ, और अधिक दबाव बनाऊं, मैंने बस इसे वहीं छोड़ दिया। समझे? वह मरी नहीं। वह सोती है। वह मसीह के साथ है।

54 और तब अधीर तांत्रिकी रोग का युग जिसमें हम रह रहे हैं! और आप जानते हैं इस सब में डॉक्टर के पास इसका उत्तर नहीं है, क्योंकि वे भी इससे पीड़ित है। उनके पास उत्तर नहीं है। वे नहीं जानते कि क्या करना है।

आप कहते हैं, "ओह, डॉक्टर, मैं—मैं—मैं मेरा सिर अब फटने वाला है। मैं नहीं जानता कि क्या करूं। मैं... "

"भाई," मैं कहूंगा, "मैं भी। भाई कुछ नहीं है, जो आप कर सकते हैं।" वह आपको एक प्रशान्तक देगा। जब उसका प्रभाव समाप्त हो जाएगा, तो आप पहले से भी अधिक अधीर हो जाएंगे; शराबी मनुष्य के समान, थोड़ी और ले रहे हैं, कि अपने पीने पर काबू पा सके। आप समझे? इसलिए आप—आप इसे नहीं कर सकते। कोई उत्तर नहीं है। उनके पास नहीं है।

55 परंतु परमेश्वर के पास उत्तर है। वही जो हम लेना चाहते हैं, उत्तर के विषय में बात करते हैं। परमेश्वर के पास उत्तर है। वही उत्तर है। हमारे पास जितनी समस्याएं हैं मसीह हर चीज का उत्तर है। अब, उसके विषय में बात करने जा रहे हैं।

56 अब, पुराने नियम में, एक समय था, जब मनुष्य दबाव बन सकता था बहुत पहले, और यह तब जब वह कुछ गलत करता था। और यदि वह निर्दोष का लहू बहाता, तब वह भाग जाता। क्योंकि, जैसे ही, वह मनुष्य जिसे उसने मारा, या गलत किया; वह मनुष्य जिसने गलत किया, उसके लोग उसे ढूंढते तब तक वह मिल ना जाए, और वह उसे मारेगा। "यह दांत के बदले दांत और आंख के बदले आंख था।" और, आप देखिए, एक मनुष्य के पास रुकने के लिए कोई जगह होती थी।

यदि उसने दुर्घटना वश कुछ कर दिया, और निसन्देह लोग इसका विश्वास करेंगे, तो उसे भाग जाना होता था। क्योंकि बस जैसे—जैसे ही उसने यह किया, तो इस मनुष्य के वो—वो रिश्तेदार, या स्त्री यह जो भी हो, वे उसे खोजने लगते। और जब वे उसे पा लेते तो, "यह दांत के बदले दांत और आंख के बदले आंख था।" वह इसी प्रकार जीए।

57 इसलिए वह कहीं भी नहीं रुक सका। वह भगोड़ा था। और वह नहीं जानता कि क्या करें, और वह भागने पर था।

आज का नमूना। मैं सोचता हूं इतने दबाव का यही कारण है। हम भागने पर है। आज संसार के साथ यही मामला है, जान रहे है कि वे गलत है।

जान रहे हैं कि प्रभु का आगमन निकट है, और दबाव बढ़ता जा रहा है। और वे भागने पर है; सराय, जुआ घर, विलासिता, पाप, आचरण हीनता, कोई भी चीज, कि बाहर निकले। टेलीविजन सुनना, गंदे चुटकुले, कोई भी चीज, जो भड़ास निकाले। वे भागने पर है। कुछ तो घटित होने को तय है। वे इसे जानते हैं, और वे मरने के लिए खुद से पी रहे हैं, सुख–विलास और हर चीज के साथ, जारी है।

58 वे जानते हैं, कि कुछ घटित होना है। संसार इसके लिए बोलता है। हम जानते हैं कि कुछ घटित होने को है। ये संसार दिन निकलने से पहले नष्ट हो सकता है। हर राष्ट्र तनाव में है। क्यों?

59 एक बार मैं अफ्रीका में था, और मैं भेड़ो को चरता हुआ देख रहा था। यह मेमना था, ओह, बीच की सी आयु का। और वह छोटा सा मेमना शांत भाव से चर रहा था, और एकदम से वह बेचैन हो गया। और वह एक मुंह मारता; वह चारों ओर देखता। वह एक मुंह मारेगा। जब, वह शांत था, मैं उसे देख रहा था। वह शांत दिखाई पड़ रहा था। मैंने सोचा, "क्या वह अभी शांत नहीं था? इसको देखो बेचारे को।" वह चरवाहा जो उनकी रखवाली कर रहा था वापस भेड़शाला को चला गया था; अश्वेत, गांव का निवासी।

60 और मैं इस छोटे से मेमने को देख रहा था। और थोड़ी देर बाद वह अधीर हो गया। मैंने सोचा, "इस छोटे से मेमने के साथ क्या मामला है? " मैं उसको दूरबीन में से होकर देख रहा था, ठीक है। और वह इतना अधीर हो गया। वह *इधर* और *उधर* देख रहा था। उसने चिल्लाना शुरू कर दिया। उसे नहीं मालूम कि क्या करना है। मैंने सोचा कि "यह छोटा सा मेमना इतना उत्तेजित क्यों हो गया, एकदम से? "

61 अब, वह एक छोटे से घास के मैदान में था। परंतु मैंने ध्यान दिया कि पीछे कुछ उठता और फिर नीचे होता था उससे लगभग आधा मील की दूरी पर। झाड़ियो में छिपा हुआ एक सिंह धीरे–धीरे सरक रहा था। और उस छोटे मेमना में, कुछ तो था उसके अंदर एक स्थान में वह जान गया कि कहीं कोई खतरा है। वह उसे देख नहीं सकता था। परंतु सिंह को भेड़ की गंध आ गई थी, अब उसे लेने के लिए उसे जल्दी करनी थी, इसके पहले की चरवाहा उसे ले ले, और उसे रास्ते से साफ कर दे।

62 इसलिए मैं उसे देख रहा था, तनाव बन गया था। और दूर यह सिंह

आराम से आगे खसकता आ रहा था। तो भी, वो—वो भेड़ उस सिंह को नहीं देख सक रही थी, लेकिन उसके अंदर बस कुछ तो था जो उसे बता रहा था कि खतरा आसपास है।

63 इसी तरह से आज है, लोगों के अंदर कुछ तो है, कि जो उन्हें बताता है कि कुछ तो घटित होना तय है। कि हम यह जानते हैं। मसीही यह जानते हैं। संसार यह जानता है। पियक्कड़ यह जानता है। जुआरी यह जानता है। व्यवसायी लो, सरकारे, यू.एन., ये सारे जानते हैं कि कुछ घटित होना है। यह तनाव को बनता है।

64 स्त्रियां, माताएं, बस एक के बाद दूसरी सिगरेट! मैंने उन्हें स्कूल आते देखा है। वे हमारी गली से होकर निकलती है। मुझे अपने बच्चों और कुत्ते का ध्यान करना होता है। बीस मील रफ्तार के क्षेत्र में; सत्तर मील प्रति घंटा, स्त्रियां अपने बच्चों को स्कूल ले जाती है। सिगरेट उनके हाथों में होती है, जो कि दरवाजे के बाहर लटक होता है, बच्चों से बहस, और फिर तेज ब्रेक, फिर, या पहिये, और टायर सड़क पर पड़ा है। और वे फिर वापस आते हैं। मैंने देखा हवा के दाब से चार या पांच बच्चे सड़क से बाहर हो गए, उस दिन, कोई तंत्र रोगी मां। वह कहां जा रही है? क्या मामला है? कोई विशेष टेलीविजन का कार्यक्रम आ रहा है, और आकर, वह उसे देखना चाहती है।

65 परंतु यही है, तनाव। इसका कोई कारण है। वे ऐसा नहीं किया करते थे। कुछ तो आ रहा है। मृत्यु और विनाश यहाँ चला आ रहा है। यह बहुत दूर नहीं है। कुछ तो निकट आ रहा है।

66 और पुराने नियम में, परमेश्वर कुछ परेशानियां देख रहा है, जो कि संयोग वश हो गई। इसलिए यदि आप निर्दोष है, और दोषी नहीं है, तो परमेश्वर ने आपके लिए मार्ग बनाया है।

67 अब, यदि मनुष्य मनुष्य को मार डाले, जानबूझ कर योजना बनाकर वह नष्ट हो गया था। वह इस स्थान पर नहीं आ सकता। परंतु यदि उसने यह संयोग से हुआ, वह यह नहीं करना चाहता था, तो वहां शरण स्थान वाले नगर थे। एक रमोत–गिलाद था। और चार स्थान, मैं सोचता हूं यहोशू ने शरण के यह नगर ठहराए थे।

68 अब, लोग इस शरण के नगर में आ सकते थे यदि संयोग वश उन्होंने कुछ गलत कर दिया। जो वह नहीं चाहता था। वह इस शरण वाले नगर

में आता है, और फाटक पर जाता है। और दरबान उससे पूछता है वह क्यों आ रहा है, उसके आने का क्या विचार है। तब उसके मामले की दुहाई दी जाती। और जब उसके मामले की दुहाई फाटक पर होती, और मनुष्य निर्दोष पाया जाता, उसने जानकर यह नहीं किया, तो उसे नगर के भीतर ले लिया जाता, एक शरण स्थान के समान। तब शत्रु उसे नहीं पकड़ सकता।

और यदि उसने झूठ बोला, और गलत किया और शरण वाले नगर में आया है, यदपि उसने वेदी के सीग पकड़े हुए थे, तो उसके शत्रु को यह सुविधा और अधिकार था कि वेदी के पास से घसीटकर ले जाए और उसे मार डालें, जी हां श्रीमान, क्योंकि वह दोषी है, जान–बूझकर किया गया, और उसे दंड मिलना ही था।

69 अब, इसके साथ कुछ और चलता है। निसन्देह वह मनुष्य अधीर होगा, ओह, हो सकता है, दर्जन भर व्यक्ति आपके पीछे हो। कहीं, हर चट्टान पर, हर पहाड़, हर झाड़ी, शत्रु हो सकता है, कोई उसके लिए तैयार खड़ा हो। वह अधीर था। और तब जब वह एक बार नगर में घुस जाता है, तो वह दबाव से छुटकारा पाता है। वह सुरक्षित था। वह बिल्कुल ठीक था, क्योंकि उसके लिए एक स्थान दिया और बनाया गया है। परमेश्वर का दिया हुआ मार्ग उस निर्दोष व्यक्ति के लिए, कि मारा ना जाए, परंतु मरने से बच सके, क्योंकि उसने यह संयोग वश कर दिया, अब यदि उसका करने का यह अर्थ नहीं था।

70 अब यदि उसने जानकर किया तो उसे हालात का सामना करना होगा। यदि उसने जानबूझ कर किया है तो उसके लिए कोई अवसर नहीं है।

71 और आज दो प्रकार के लोग हैं। मैं यह कह सकता हूं। आज संसार में पुरुष और स्त्रियां है, भाई रुडेल, वे सही में वह नहीं करना चाहते हैं जो वे कर रहे हैं। आज संसार में पुरुष और स्त्रियां है जो पाप नहीं करना चाहते। मुझे उनके लिए खेद है। वे कुछ भी गलत नहीं करना चाहते, परंतु वे करते हैं, वे इसके लिए उकसाए गए हैं। अब, वहां उसके लिए एक स्थान है जो यही करना चाहता है। एक स्थान है जो दबाव को समाप्त करता है। यह सत्य है। परंतु कुछ ऐसे है जो चिंता नहीं करते।

72 उस दिन एक भाई हिकरसन, उन्होंने मेरे लिए वार्डन से एक पास लिया फिडरल जेल का... जो लाल ग्रेंज केन्टकी में है, कि अंदर मछली पकड़ने

को जाए। और मैं वहां एक अश्वेत लड़के से जो लॉरेंस से था मिला। और उसने मुझे बताया... मैंने कहा, "एक अच्छा दिखने वाला बुद्धिमान व्यक्ति, आपकी तरह तुम यहां क्या कर रहे हो? "

73 उसने कहा, "अच्छा," बोला, "आदरणीय, यहाँ यह क्या था।" बोला, "यह किसी की गलती नहीं मेरी है।" कहा, "एक समय मैं—मैं—मैं प्रभु का था।" उसका नाम बिशप था। उसने कहा, "वे मुझे 'होली बिशप' कहा करते थे क्योंकि मैं प्रभु की सेवा करता था।" उसने कहा, "मैं और मेरी पत्नी, हमारी—हमारी एक छोटी लड़की है।" और कहा, "एक बार मैं स्थिर ना रह सका, इसलिए मैं संसार के साथ चला गया, प्रभु से दूर चला गया।" बताया कि, "मेरे पिता और माता मसीही थे।" और कहा, "मैंने चार वर्ष बाहर कोरिया में सेवा की," वह बहुत सारे संघर्षों में रहा, उल्लेख और बातें। उसने कहा, "परंतु वहां बाहर जो हमने किया कि हम नाचने गाने लगे और आदि–आदि। मैं गलत लोगों के भीड़ में मिल गया।

74 "और एक दिन, जो लड़के आए पहले बोले, 'बिशप, हम वहां क्रेकर मेड तक जाना चाहते हैं कि, थोड़ा सा परचून का सामान ले ले। क्या आप हमें वहां तक ले जाएंगे? ' "

कहा, "मेरी पत्नी ने मुझे भोजन पर बुलाया है। और मैंने कहा... कहा, उसने मुझे वहां बुलाया है, 'प्रिय, तुम उनके साथ मत जाओ। वे ठीक लड़के नहीं है। हमें उनसे अलग रहना चाहिए, उन्हें फिर से कलीसिया में ले आए।' "

और उसने कहा, "अच्छा," कहा, "मैंने कहा, 'मैं उनके लिए पंसद नही करता हूं... लड़के परचून का सामान चाहते है।' बोला, 'मुझे अच्छा नहीं लगता कि मैं उन्हें ना ले जाऊं।' हां, बोला, 'मैं उन्हें अपनी कार दे दूंगा।' "

"कहा, 'आप यह ना करें वे इसे टुकड़ों में तोड़ डालेंगे।' कहा, 'इन्हें वहां तक ले जाओ, और फिर वापस आ जाओ।' "

75 कहा, "मैं उन्हें वहां तक ले गया, और पार्किंग के स्थान में रुक गया।" कहा, "मैं वहां बैठा हुआ प्रतीक्षा कर रहा था। और एकदम से, अलार्म बंद हो गया, और हर चीज। और ये लड़के आए दोनों के हाथों में पिस्तौल थी। मैंने दरवाजा बंद कर लिया। मैंने कहा, 'तुम अंदर नहीं आओगे।' " उनमें से

एक ने उसके सर पर जोर से मारा, और पीछे धक्का दिया, अपनी पिस्तौल फेंक दी। उसने कहा, "तुम मुझे नहीं ले जा रहे हो।"

बंदूक अंदर की, कहा, "अगर तुम नहीं चाहते हो कि मैं तुझे आर–पार ना छेदू! हम तुझे यहां फेंक देंगे, भाग जाएंगे।"

76 कहा, "तू कहीं नहीं जा सकता। तो पकड़ा जाएगा। तुम लड़कों उन्हें बता देना कि मैं अलग था। और मेरा—मेरा ऐसा करने का मतलब नहीं था। मैं—मैं वहां बैठा था। मैं निर्दोष था।" और उसी समय पुलिस आ गई उन्हें पकड़ लिया।

77 उन्होंने मुकदमा लड़ा। उसने कहा, "मैंने पहले वकील के लिए बुरा सोचा, क्योंकि उसने कहा... " यहाँ ये प्रश्न है उसने कहा, "क्या ये आपकी कार है? "

उसने कहा, "जी हां, श्रीमान। परन्तु मैं... "

78 उसने कहा, "मेरे प्रश्नों का उत्तर दे।" ओह, भाइयों, शैतान अपने तरीके से करता है। कहा, "मेरे प्रश्न का उत्तर दो।" कहा, "क्या यह आपकी कार है? "

उसने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

"क्या यह तुम्हारा लाइसेंस नंबर है? "

"जी हां, श्रीमान।"

उसने कहा, "क्या तुम यहां वहां उस स्थान में थे? "

उसने कहा, "अच्छा, मैं आपको बताता हूं... "

उसने कहा, "मेरे प्रश्नों का उत्तर दो।"

उसने कहा, "हां, श्रीमान।"

79 उसने कहा, "तुम वही हो।" और परिस्थितियों का प्रमाण उसे दस वर्ष की सजा, और लड़कों को आजीवन कारावास भेज दिया।

80 अब उसने कहा, "देखिए, भाई, मैं गलत लोगों में चला गया। इसके लिए कोई दोषी नहीं केवल मैं।" और यह ठीक बात है। अब, उसे दस वर्ष की हुई कि दबाव से छुटकारा पाएं। मैंने उसके लिए प्रार्थना की। वहां भाई वुड, और मैं, हम वहां पानी के पास बैठे थे। उस लड़के का हाथ पकड़ा,

और उसके लिए प्रार्थना की, उस पानी के पास कि परमेश्वर उसे एक वचन मिले। और मैं अब भी उसके लिए प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर करेगा।

81 यह क्या है? दबाव, निर्दोष, एक निर्दोष मनुष्य। अब, मनुष्य को अवसर मिलना चाहिए।

82 अब यदि आप सही करना चाहते हैं, आज रात्रि, मैं आपको यह बताने के लिए आनंदित हूं कि एक शरण पाने का नगर है। वह यीशु मसीह है। यदि आप गलत नहीं करना चाहते, शत्रु आपके पीछे लगा है, तो एक बच निकलने का रास्ता है, और वह बचकर भागने का मार्ग यीशु मसीह है। एक स्थान है जहां आप आ सकते हैं और दबाव मुक्त हो सकते हैं। परंतु यदि आप पाप करना पसंद करते हैं, और परमेश्वर को नहीं चाहते लेकिन शत्रु आपको कहीं भी ले लेगा। आपके पास कोई नहीं... आप मसीह के पास नहीं आ सकते, क्योंकि आप नहीं चाहते।

83 और जब मनुष्य मसीह के पास आता है, शरण का यह स्थान... पुराने नियम में जब मनुष्य आता था; पहली बात, उसे अपनी स्वतंत्र इच्छा पर आना होता था। और इसी प्रकार आपको मसीह के पास आना होगा।

84 दूसरी बात, जब आप वहां है तो आपको संतुष्ट होना चाहिए। आपको नहीं... हर दिन आप चारों ओर रोते हुए ना घूमें, "मैं यहां से बाहर जाना चाहता हूं। मैं यहां से जाना चाहता हूं।" वे आपको बाहर निकाल देंगे। आपको अपनी इच्छा से वहां रहना है। ऐसा होना ही चाहिए कि आप उस नगर में बने रहना चाहते हैं।

85 और जब आप मसीह के पास आते हैं, तो आप मुड़कर संसार को नहीं देख सकते। बाईबल ने कहा, "वह जो अपना हाथ हल पर रख कर, और मुड़कर पीछे देखता है, वह जोतने के योग्य नहीं है।" अब यही बहुत सारे कहलाने वाले मसीही उनकी गलती को करते हैं। देखिए, वे ऐसा व्यवहार करते हैं कि वे जोतने जा रहे हैं, परंतु पहले छोटी सी चीज आती है, वे इस विषय में फट जाते हैं।

86 उस दिन मुझे इस बात का अनुभव हुआ था, जैसा कि आप सब जानते हैं। और मैं आपकी प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद करता हूं। जैसा कि मैं शिकार, और मछली पकड़ना, निशाना लगाना, और चीजे, मैंने हमेशा वेदरबाई बाय मैग्नम बंदूक चाही। तो, मेरे कुछ मित्रों ने उसे मेरे लिए खरीदा। मैं लोगों को जानता हूं, यदि मैं उनका उल्लेख करूं, उन्होंने यह आनंद से

किया। खुले रूप में, दो या तीन यह करना चाहते थे। परंतु वे इतना पैसा बंदूक के लिए डालें, मैं यह नहीं देख सकता, जबकि मैं जानता हूं कि मिशनरियों के पास उनके पैरों में जूते भी नहीं है। मैं यह नहीं कर सकता। और भाई विल्सन ने बिली पॉल को छोटी .257 रोबोर्ट दी। और एक भाई मेरा मित्र ने कहा कि, "भाई ब्रंहम, उस बंदूक में छेद कर देंगे, मैं इसे रास्ते में करवा सकता हूं, यदि आप मुझे आपके लिए करने दे।" ठीक है, मैंने उसे यह करने दिया।

87 वापस आया बंदूक में गोली डाली, और गोली इसे चला दिया और वह मेरे हाथों में ही फट गई। और नाल लगभग पचास गज दूर जा पड़ी, बोल्ट मेरे पीछे की ओर चला गया। और यह आश्चर्य था कि उसने मेरे दो हिस्से नहीं किए। वहां लगभग पांच या छह टन का दबाव था *जो* मेरे समीप था।

88 ठीक है, डॉक्टर ने कहा, "मैं केवल एक बात जानता हूं, कि भला प्रभु वहां अपने दास की सुरक्षा के लिए बैठा था।"

89 अब, वह बात जो मैं सोचता हूं, यहाँ है जहां यह आता है। यदि यह आरंभ से ही गैट्रिंग मैग्नम रही होती! क्या मामला था? उस बंदूक में एक कमी थी। सिरे पर जो छेद किया गया वह बहुत ढीला था। यही मामला हमारे बहुत सारे मत परिवर्तनों में होता है, हमारे ऊपर का स्थान में ढीला छेद किया गया।

90 और—और, अब, यदि वह वेदरबाय और मैग्नम रही होती, आरंभ से ही, उसी धातु की ढलाई से ही कि नाल बनाई जाए, तो इसका छेद करके और वेदरबाई मैग्नम ही का होता, तो यह नहीं फटता। परंतु क्योंकि इसके साथ इसे बदलने का यत्न किया गया, जो वह नहीं थी, तो यह फट गई।

और इसलिए हर एक मनुष्य में यही चीज मिलेगी, जो एक मसीही कहलाते हैं, उनका आरंभ नए जन्म से ही ठीक नहीं हुआ, वह कही फट जाएगा। इस पर बहुत ही दबाव पड़ा है। वह नहीं टिक पाएगा। वह स्वयं को कहीं फटा हुआ पाएगा।

91 लोग किसी की सेवकाई की नकल करते हैं, इसके लिए वे बुलाये नहीं गये, और अंत में वे फट जायेंगे। आपको परमेश्वर की ओर से ही ठहराया हुआ होना चाहिए।

इसे परमेश्वर से होना है, ना की किसी से हाथ मिलाना, कोई दुःख भरी कहानी, इसे तो मसीह के बहाए गए लहू के आधार पर ही होना है, और आपका विश्वास जो परमेश्वर ने आपके लिए यीशु मसीह में से होते हुए किया। यदि नहीं, तो आप कहीं पर फटने जा रहे हैं। कोई आपके पंजे पर पैर रखेगा, और आप आपे से बाहर हो जाएंगे। समझे? देखिए, यह दबाव बन रहा है, सारे समय, और जल्द ही यह फट जाएगा।

92 मनुष्य को शरण स्थान में ही रहना है। इधर–उधर शिकायत करता घूमता नहीं रह सकता। उसे टीके रहना है, इस विषय में कोई शिकायत नहीं। बाहर से वह मरता है। भीतर से, वह सुरक्षित है।

93 तो, मैं कुछ कहना चाहता हूं, यह लोग, जो यहाँ यदि वे मसीही नहीं हैं। मैं इस शरण नगर में आया हूं, लगभग इकतीस वर्ष पहले। और, भाई, मैंने कभी भी बाहर ना जाना चाहा। ओह, मैं मसीह में आया। हर चीज जो मैं चाहता था, वो *यहां* थी। मैं बाहर नहीं जाना चाहता। मैं प्रतिदिन प्रार्थना करता हूं, "ओह परमेश्वर, मैं यहां बहुत ही आनंदित हूं। मुझे यहीं रहने दो।" मैं कभी भी नहीं जाना चाहता, और मैं जानता हूं कि वह मुझे कभी भी नहीं छोड़ेगा। मैं जानता हूं कि वह आपको कभी नहीं छोड़ेगा। और दबाव बढ़ता है, यदि यह होता है, तो वह हमारा निकास है, इसलिए हमें इस विषय में चिंता करने की—की आवश्यकता नहीं है।

94 यदि आप कुल मिलाकर दबाव में हैं, और नहीं जानते कि आप कहां जा रहे हैं, मृत्यु के पश्चात आपका क्या होने जा रहा है; और आप जानते हैं कि आप कभी मरने जा रहे हैं, आपको करना ही है; तब फिर बात आती है कि मसीह के पास आ जाए, वो शरण में, और दबाव को निकाल दे। सदा के लिए तय हो गया।

95 कोई मतलब नहीं क्या होता है, मसीह हमारा शरणस्थान है। और जब हम उसके पास आते हैं, तो हम दबाव समाप्त कर सकते हैं। आप चिंता करना छोड़ सकते हैं, "भाई, यदि मैं मर जाऊं, तो मेरा क्या होने जा रहा है? पत्नी का क्या होने जा रहा है? पति का क्या होने जा रहा है? बच्चों का क्या होने जा रहा है?" बस मसीह के पास आ जाये, और दबाव से मुक्त हो जाए। नही, वो हमें सारी चीजे देता है। सारी चीजें हमारी हैं, मसीह के द्वारा, इसलिए दबाव को निकल जाने दें, केवल एक ही मार्ग है कि आप इसे कर सकते हैं।

96 कोई आपको लाखों डॉलर दे सकता है। यह दबाव आपको बना देगा।

आप एक कलीसिया के सदस्य हो सकते हैं, और यह अब भी एक दबाव बनाएगा। क्योंकि, मेथोडिस्ट आपको कहेंगे कि वे ठीक हैं, "और बैपटिस्ट गलत है।" और बैपटिस्ट कहते हैं, "वे गलत हैं, और हम सही हैं।" तो इस प्रकार से यह अधिक दबाव को बढाता है, क्योंकि आप नहीं जानते कि आप कहां खड़े हैं।

97 परंतु यदि आप कभी मसीह के पास आते हैं, तो आप दबाव मुक्त हो सकते हैं, क्योंकि यह तब सब हो जाता है, यह तय हो जाता है। यह परमेश्वर के द्वारा सुरक्षित स्थान है, जहां परमेश्वर ने कहा, "प्रभु का नाम एक शक्तिशाली गढ़ है, धर्मी वहां भागकर और सुरक्षित रहता हैं।"

बीमारी के समय में, जब बीमारी प्रहार करती है, और डॉक्टर कहता है, "मैं इस विषय में और कुछ नहीं कर सकता," तो तनाव में ना आये।

दबाव को निकाल दे। अपने पास्टर को बुलाये। वो आप पर तेल मलकर अभिषेक करे और आप पर प्रार्थना करे। "विश्वास की प्रार्थना से बीमार बच जायेगा।" दबाव से मुक्त हो जाए। समझे?

98 वह हमारा शरणस्थान है। जब कि आप शरण में हैं, तो आपके पास—आपके पास किसी भी चीज पर शरण स्थान में अधिकार है। और मसीह हमारा शरण स्थान है, और हर एक जिसकी आपको आवश्यकता है, उसमें है। आमीन।

बीमारी में, तनाव में ना आये। दबाव मुक्त हो जाए।

99 आप कहते हैं, "भाई, मैं—मैं आश्चर्य में हूं, भाई ब्रंहम।" आप आश्चर्य चकित ना हो; आप बस दबाव को समाप्त होने दें। अपने मामला परमेश्वर को सौंप दे, और ऐसे चले जैसे कि यह सब समाप्त हो गया। दबाव में ना आएं। दबाव को समाप्त होने दे।

100 "अच्छा," आप कहते हैं, "भाई ब्रंहम, मुझे बहुत चिंता है। बस मैं नहीं जानता।"

दबाव को समाप्त होने दे। आमीन। शरण वाले नगर में, उसने आपकी चिंता ले ली, इसलिए आपको—आपको इसे अपने पास नहीं रखना है। "अपनी चिंताये उस पर डाल दो, वो आपकी चिंता करता है।" आप अपनी चिताओ के बारे में चिंता न करें। वो उसका काम है।

101 मैं यहां दस सेंट की दुकान में एक महिला से कुछ वर्षो पहले मिला था। वह लगभग साठ वर्ष की थी, और तीस वर्ष की दिखाई पड़ती थी। मैंने कहा, "बहन, आप यह कैसे करती है? "

102 उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मेरे दो पुत्र हैं जो डॉक्टर हैं, और वे आपसे बड़े हैं।" और सच में अच्छा, वह—वह तीस वर्ष से ऊपर की नहीं लग रही थी। उसने कहा, "यही है जो यह था। जब मैं मसीह के पास आयी, जब मैं लगभग बारह वर्ष की थी, मैंने बैठ कर और इसके विषय में सोचा। मैंने दूसरे धर्मों का अध्ययन किया। परंतु जब मैंने सच्चा वाला पा लिया," उसने कहा, "मैं मसीह के पास आई, और अपना मामला लिया, मेरा प्राण, मेरा सब कुछ, उसको पास दे दिया।" और उसने कहा, "तब से मुझे कोई चिंता नहीं है।" कहा, "अब, उसने प्रतिज्ञा की है मैं तेरी सारी परेशानियों की चिंता करूंगा," और कहा, "यदि वह इतना बड़ा नहीं की वो इसे करे, मैं जानती हूं कि मैं इतनी बड़ी नहीं कि इसे करूं, तो मेरी इसके बारे में चिंता करने का क्या लाभ है? " समझे? यही है।

103 मसीह ने प्रतिज्ञा की है कि वह आपकी सारी चिंताये ले लेगा। "अपनी चिंताओ को उस पर डाल दो।" तो फिर तुम इस विषय में चिंता क्यों करते हो? चिंता दबाव को बढ़ाती है। दबाव फाड़ देता है। इसलिए अपनी चिंताये उस पर डाल दो, और चिंता करना छोड़ दो। ठीक है।

104 अब, "ठीक है," आप कहते हैं, "मैं इसे कैसे करूं? " बस उसकी प्रतिज्ञा पर भरोसा रखे। उसने प्रतिज्ञा की कि वह करेगा, यहां तक कि मृत्यु के समय पर, जब मृत्यु का दूत कमरे में आता है। "ओह, भाई ब्रंहम, मैं जानती हूं कि मैं अधीर हो जाऊंगी।" ओह, नहीं। आप एक शरण स्थान में है। नहीं, नहीं। आप जानते हैं कि आप मरने जा रहे हैं; आपको किसी मार्ग पर तो जाना ही है, इसलिए बस शरण में आ जाए, सुरक्षित अनुभव करें। यह ठीक बात है। जब तक आप शरण में है आप सुरक्षित है। स्मरण रखें, वह आपके लिए मर गया। वह आपकी चिंता करता है। वह आपके लिए मर गया।

105 अब हम जरा एक नजर डाले। आप कहते हैं, "भाई ब्रंहम, आपका अर्थ यह है, कि जब मृत्यु का दूत द्वार पर खटखटाता है, तब भी आपको तनाव में नहीं आना है? " नहीं, जरा भी नहीं। "अच्छा, तो आप यह कैसे करते हैं? " उसकी शरण में आ जाये। बस। "ठीक," आप कहते हैं, "भाई

ब्रंहम... ”

106 अच्छा, अब एक मिनट रुकिए। आइए इस्राएल को ले, वहां मिस्र में। एक समय आया जब परमेश्वर ने कहा, “मैं मृत्यु के दूत को उस पृथ्वी पर भेजने जा रहा हूं, और मैं परिवार के हर एक बड़े को लेने जा रहा हूं, जब तक वहां द्वार पर लहू ना हो, ” पर्व को उस महान रात्रि को।

107 अब, यहाँ इस्राएल है, एक प्रतिज्ञा के लोग प्रतिज्ञा के देश में जा रहे हैं। और वे... यह पर्व की रात्रि है। मृत्यु का दूत देश में है। और चिल्लाहट नीचे वाली गली से आ रही है। हमने बाहर देखा। दो बड़े, काले पंख उड़ते हुए गली में जा रहे हैं। आप सोचते हैं कि इस्राएल उत्तेजित था? नहीं, श्रीमान।

108 मृत्यु द्वार पर थी। छोटे लड़के ने खिड़की के बाहर देखा। वह परिवार का सबसे बड़ा है। वह उस बड़े काले दूत को देखता है। वो देखता है और कहता है, “पिताजी, क्या आप मुझसे प्रेम करते हैं? ”

“निश्चय ही, पुत्र, मैं तुमसे प्रेम करता हूं।”

“तो ठीक है, पिताजी, क्या मैं आपका पहिलौठा नहीं हूं? ”

“हाँ, पुत्र, तुम हो।”

“पिताजी, *उधर* देखिये। उस दूत ने उस छोटे लड़के को ले लिया। मैं उसे जानता था। मैं उसके साथ खेला हूं। ओह, पिताजी, वह इधर घर की ओर आ रहा है।”

“परंतु, पुत्र, तुम उस द्वार के अलंग पर देखो? ” हाल्लेलुय्या!

“पिता, क्या वह मुझे ले लेगा? ”

“नहीं, श्रीमान, पुत्र। वह तुम्हें नहीं ले सकता।”

“क्यों? ”

109 “यह उसकी प्रतिज्ञा है। ‘जब मैं लहू को देखूंगा, तो मैं तुम्हें छोड़ कर चला जाऊंगा।’ जाओ और अपने खिलौने ले आओ, और खेलना आरंभ करो, पुत्र। चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। हम परमेश्वर की शरण में है। भाप को निकल जाने दे।”

110 इस्राएल वहां बैठ कर और बाईबल को पढ़ सकता था; जब बाकी के लोग चिल्ला रहे थे और भाप बना रहे थे, इस्राएल शांति में था। क्यों? मृत्यु ठीक द्वार पर है, इससे क्या अन्तर बना दिया? वो उन्हें आधात नहीं पहुंचा सकता।

111 इसलिए जब मृत्यु हमारे दरवाज़े पर आती है, परमेश्वर की महिमा हो, जहाँ तक परमेश्वर की मांग है, लहू, मेरे हृदय के अलंग पर लगा हुआ है, इससे क्या अन्तर पड़ता है? यह मुझे परेशान नहीं कर सकता।

112 डॉक्टर कहता है कि तुम कल मरने जा रहे हो, इससे क्या अन्तर पड़ता है? लहू चौखट पर लगा है। जो भी है, आपको मरना है। लेकिन यदि लहू लगा हुआ है, तो मेरा पुनरुत्थान आ रहा है। आमीन।

113 इस्राएल शांत रह सकता है, उनके लिए भाप नहीं बन रही है। क्योंकि वे जानते हैं कि मृत्यु का दूत उन पर प्रहार नहीं कर सकता। वे लहू के नीचे थे। यह परमेश्वर का दिया हुआ मार्ग है।

114 अब ध्यान दें। कहते है, "क्या मैं इसके लिए आश्वस्त हो सकता हूं?" अब, मसीही, हम यहां पर है। "क्या मैं इसके लिए हो सकता हूं?" मैं पिछली रविवार रात्रि, इस पर बोला है।

115 अब इस्राएल की प्रतिज्ञा थी, वाचा के लोग, परमेश्वर के लोग। उनके पास प्रतिज्ञा का देश है जिसमें दूध और शहद बहता है। तो उन्होंने—उन्होंने वह देश कभी नहीं देखा है। उनमें से एक भी वहां कभी नहीं था। परंतु उनके पास इसकी प्रतिज्ञा थी। देखा? वे कभी भी वहां नहीं थे। वे उस देश के विषय में कुछ भी नहीं जानते थे, परंतु उनसे देश की प्रतिज्ञा की गई थी। और वे उसकी गुलामी से निकल कर आए थे, परमेश्वर के हाथ से उसके भविष्यवक्ता के द्वारा, और वे यात्रा में थे, स्वयं को यात्री, और अपरिचित कहते थे, और उस देश को जा रहे थे जो उन्होंने कभी नहीं देखा, या उनमें से किसी ने कभी नहीं देखा। इस पर सोचिए।

इसलिए वे सीमा रेखा के पास आ गए हैं। उनके बीच में महान योद्धा था, यहोशु नाम का। *यहोशु* का अर्थ... मतलब "यहोवा बचाने वाला।" यहोशु यर्दन के पार गया, प्रतिज्ञा के देश के अंदर, और प्रमाण के साथ आया कि वह देश अच्छा देश था। वे अंगुरों का गुच्छा लेकर आए; इसे उठाने के लिए दो पुरुष थे। यह ठीक वैसा ही था जैसा परमेश्वर ने कहा। कि वह है उसमें दूध और शहद बह रहे थे। इससे उनमें से हर एक को आनंदित हो जाना चाहिए। क्यों? यहोशु उस देश का प्रमाण लाया जिसके विषय में कोई कुछ नहीं जानता था, जिसे परमेश्वर ने उन्हें देने की प्रतिज्ञा दी थी। समझे? क्योंकि, उनके पास एक देश की प्रतिज्ञा थी, और वे उसके मन पर जा रहे थे।

116 अब एक दिन मानव जाति एक फंदे में थी, और वहां कोई पृथ्वी पर यीशु मसीह के नाम को आया। *यीशु* का अर्थ "यहोवा बचाने वाला।" और वह वहां मृत्यु की यर्दन पर गया। यर्दन पर गया, मृत्यु में और ईस्टर की प्रातः जी उठा इस प्रमाण के साथ की करने के पश्चात मनुष्य जी सकता है। हाल्लेलुय्या! मृत्यु अंत नहीं है। यीशु ने ये सिद्ध कर दिया, कि मनुष्य मर जाने के बाद जी सकता है।

117 वह उनके सामने खड़ा हुआ, और उसने कहा, इसके पहले कि वह छोड़कर जाता, उसने कहा, "मेरे पिता के घर में बहुत से घर है। यदि ऐसा नहीं होता, मैंने तुम्हें बता दिया होता। और मैं जाऊंगा और एक स्थान तैयार करूंगा। मैं जाऊंगा और जगह तैयार करूंगा, और वापस आऊंगा, और तुम्हें अपने साथ ले लूंगा; कि जहां मैं हूं, वहां तुम भी हो।" ईस्टर की सुबह पर, जब...

वह मर गया, यहां तक चांद और सितारे और सूर्य अपने से लज्जित थे। वह मर गया, यहां तक कि रोमी सिपाही ने उसका हृदय एक—एक बर्छी से छेदा, और जल और लहू अलग हो गए। वह मरे हुओं में मरा हुआ था। वह कब्र में गया, जैसे कोई भी मनुष्य गया। "उसका प्राण अधोलोक में गया," जैसा कि बाईबल ने कहा।

परंतु ईस्टर की प्रातः, वह मृत्यु से अधोलोक से, कब्र से वापस आ गया, और कहा, "मैं वह हूं जो मर गया था, और मैं सदा के लिए जीवित हूं, और मेरे पास मृत्यु और अधोलोक की कुंजियां है। मैं एक मनुष्य हूं।"

उन्होंने कहा, "वह एक आत्मा है।"

कहा, "मुझे एक मछली रोटी के बीच में दो।" और उसने मछली और रोटी खाई।

118 वह एक मनुष्य था जो कि मर कर और उस देश में चला गया, और प्रमाण के साथ वापस आया कि मनुष्य मृत्यु के बाद जी सकता है। मृत्यु का हमसे क्या लेना देना? आमीन। दबाव को निकलने दे।

119 अब, केवल इतना ही नहीं, परंतु उसने हमें प्रतिज्ञा भी दी है। यह क्या थी? उसने हमारे वारिसाना हक का बयाना दिया। उसने कहा, "अब इस बात को हर विश्वासी पर सिद्ध करने के लिए। अब तुम यहां अविश्वास में चल रहे हो। तुम वचन का विश्वास नहीं करते। तुम पाप में चल रहे हो और

संसार की चीजें है। परंतु वह जो मुझ पर विश्वास करता है, उसके पास अनंत जीवन है, वह जीवन जो मर नहीं सकता।"

120 अब ध्यान दे, जब हम उसका आत्मा पाते हैं, हम जो एक समय मरे हुए थे पापों और अपराधों में, उसने हमें नया जन्म दिया, नया जीवन। वह क्या करता है? वह... हम मरे और यीशु में गाड़े गए। हम आत्मा में जी उठे, सांसरिक चीजों से, स्वर्गीय वस्तुओं में। और आज रात्रि, "हम लोग मसीह यीशु में मिलकर स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं।"

121 कितने मसीही जो यहां है अब भी संसार से प्रेम करते हैं? यदि आप करते हैं, तो आप मसीही नहीं। आप मसीहत का दावा करने वाले है, और ना कि अधिकारी। क्योंकि जब एक मनुष्य एक बार मसीह का स्वाद चख लेता है, तो वह संसार की चीजों के लिए मर जाता है, और फिर किसी भी रीति से उसकी इच्छा वापस जाने की नहीं होती।

122 यह क्या करता है? "जीवन," पौलुस ने कहा, "एक समय मैं जो जीवित था, अब मैं और जीवित नहीं। यदपि मैं जीता हूं, मैं नहीं, परंतु मसीह मुझ में।" क्यों? उसने उसे संसार के निचले स्तर के पापों से ऊपर उठा लिया, इस स्थान तक कि हम स्वयं पीछे मुड़ कर देख सकते हैं और हम देखते हैं कि हम कहां से आए हैं। महिमा हो! पीछे देखते हैं और देखते हैं एक समय हम कहां जीवित थे। अब हम अलग रीति से जीते हैं। यह क्या है? यह भरोसा है कि हम मर गए, और हमारे जीवन मसीह में छिपे हुए हैं, परमेश्वर में होकर और पवित्र आत्मा द्वारा छाप लगाए हुए, और उन चीजों से ऊपर उठ गए। तब हम जीवित है, उसी प्रमाण के साथ कि वह हमें सिद्ध करने को वापस आया।

123 वह देश शानदार और यह बयाना है। यह हमारे उद्धार का बयाना है। यह पहला पैसा है जो समझौते को थामे रहता है। महिमा हो! यह परमेश्वर के समझौते को थामे रखता है, "वह जो मेरा वचन सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन है और वह दोषी न ठहरेगा, परंतु मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका।" भाई, दबाव को निकाल दिया। जी हां, श्रीमान। आमीन। क्या आप समझे?

124 देखिए, जैसे एलिय्याह महान भविष्यवक्ता, मसीह का एक प्रतीक। एलीशा, कलीसिया का एक प्रतीक, जिस पर कि आत्मा का दूना भाग आया था भविष्यवक्ता पर। एक दिन वह यर्दन पर गया, आज के दिन का

प्रतीक, यह सरकार और चीज जो अब हमारे पास है; आहाब, इजाबेल, और आदि–आदि। जैसे कि आपको मेरा उपदेश इजाबेल का स्मरण होगा। ध्यान दें जब एलीशा, एलिय्याह के पीछे चल रहा था, किसी कारण से। आमीन। वह उसे कहां ले गया? यर्दन पर; रमोत–गिलाद पर भविष्यवक्ताओं के विद्यालय पर, और फिर यर्दन पर। वह आपको इसी प्रकार लेता है न्यायोचित के द्वारा, पवित्रीकरण, और मर जाना, कि जीवन पाए। आमीन। ना कि एक नामधारी या कोई मतसार। परंतु आपकी आत्मा की मृत्यु, ताकि आप नया जन्म पा सके। और एलीशा...

125 और एलिय्याह ने पानी पर मारा, यर्दन के पार चला गया, और एलीशा उसके पीछे–पीछे गया। और जब एलीशा फिर से देश में वापस आया, दूसरी ओर, वह दुगने भाग के साथ वापस आया।

आज, हम यीशु का अनुकरण उसकी मृत्यु, गाड़े जाने और बपतिस्मा... मृत्यु, गाडा जाना, और पुनरुत्थान, बल्कि, बपतिस्मे से होते हुए। हम उसका विश्वास करते हैं। हम संसार की चीजों के लिए मर गए, और स्वीकार करते हैं कि हम कुछ नहीं है, उसके नाम में बपतिस्मा लिया है, बपतिस्मे में उसके साथ गाडे गए पुनरुत्थान में उसके साथ जी उठे। हमारी आत्माएं संसार की वस्तुओं से ऊपर जीती है। तो फिर हम मसीह में है। अब हमारे पास एक भाग है।

126 जब हम यर्दन पार मृत्यु की रेखा से वापस आते हैं, हमारे पास दूसरा भाग होगा। शरीर जो अब हमारे हैं, वह आत्मा के हम जिसके साथ है, हमारे पास बयाना है, पवित्र आत्मा जो मर नहीं सकता, क्योंकि यह परमेश्वर का भाग है। और वे शरीर जिनमें हम रहते हैं... "वह जो मेरा मांस खाता और मेरा लहू पीता है उसके पास अनंत जीवन है, और मैं उसे अंत के दिन में जिला उठाऊंगा।" आमीन। भाप को निकल जाने दो।

127 इससे क्या अंतर पड़ता है, अणु बम या कुछ भी प्रहार करें? वह जो चाहे उन्हें करने दो... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] ... इसमें एक बात, कि हमारे पास यीशु मसीह हमारे प्रभु के द्वारा हमारे पास अनंत जीवन है। इसलिए हम किस बात की चिंता करते हैं संसार को जो कहना हो कहे। हमें दबाव की भी चिंता नहीं। हमें कोई अंतर नहीं पड़ता। क्यों? क्योंकि हम भाप को निकाल देते हैं। [टेप पर खाली स्थान।]

वहां आओ जहां अनुग्रह की ओस की बूंदे चमकदार है;

हमारे चारों ओर दिन में चमकती है... [टेप पर खाली स्थान।]
यीशु, जगत की ज्योति है।

128 अब अपने झुके हुए सिरों के साथ, आइए अपने हाथों को उठाएंगे।

हम ज्योति में चलेंगे, सुंदर ज्योति में,
वहां आओ जहां अनुग्रह की ओस की बूंदें चमकदार है;
हमारे चारों ओर दिन और रात में चमकती है,
यीशु, संसार की ज्योति है।

129 हमारे स्वर्गीय पिता, शैतान युद्ध हार चुका है। बस धैर्य रखें। भाप ना बनने दे। यहां खड़े हुए, "भाप के दाब से मुक्त होना," इस पर प्रचार करते हुए, और तब शैतान ने सोचा, वह मुझे और प्रचार मंच से भगा सकता है, मुझे इस वेदी की बुलावट से अलग कर देगा। नहीं, प्रभु। मेरे हृदय में कुछ जल रहा है, कह रहा है, "यहां कोई है। यहां कोई है उस चट्टान को खोज रहा है।" पिता, हम आपका इस विजय के लिए धन्यवाद करते हैं। जब वह अंतिम क्योंकि वेदी पर आता है, ज्योतियां आती है। उसने देखा कि वह नष्ट हो गया, इसलिए हो सकता है वह युद्ध को छोड़ दे।

130 यहां आज रात्रि अनुग्रह के नंबर खड़े हैं, पांच कीमती प्राण पांच, जे–ई–एस–यू–एस, एफ़–ए–आई–टी–एच, अनुग्रह जी–आर–ए–सी–ई। ओह परमेश्वर, आप परमेश्वर है। आप कभी असफल नहीं होते। आप सदा सही होते हैं।

131 मैं देख रहा हूं यहां इस ओर बहन विल्सन की पुत्री खड़ी है। मैं उस छोटी लड़की को याद कर सकता हूं। मुझे याद है जब आपने उसे बुलाया। मुझे वह न्यू मार्केट की रात याद है, वर्षों पहले। वहां उस रात्रि प्रभु मुझे याद है।

132 यहां उसके बराबर में एक महिला खड़ी है, जो न्यू यॉर्क से आई है, कि हमारे साथ रहे।

133 यहां एक युवा पुरुष खड़ा है और एक युवा महिला, इस मोड़ पर, जब कि संसार वहां बाहर सब प्रकार के गंदे नृत्य करते हुए बढ़ रहा है। वे उस चट्टान को खोजने को निकल गए।

134 यहां वेदी के अंत में एक युवक अपने हाथों को उठाए खड़ा है, वह—वह उस चट्टान को खोजना चाहता है। यीशु, आप वह चट्टान है। और आपने

यह कहा है, "जहां कहीं मेरे नाम में दो या तीन जमा होंगे, मैं उनके बीच में होऊंगा।" तो फिर, वह चट्टान ठीक यहां है।

135 यह विचित्र सा लग सकता है, पिता, बहुत ही साधारण। आप चीजों को इतना साधारण बना देते हैं, ताकि हम गलती ना करें। परंतु क्योंकि वे अपनी कुर्सियों से उठ खड़े हुए हैं, और निमंत्रण पर आए हैं; इसी कारण, शैतान उन्हें यह करने से रोकना चाहता है, वह हर कोशिश कर रहा है, उसने यह करने का यत्न किया, परंतु वह हार गया। अब, आपके दास के समान, मैं अपने हाथ उन पर रखने जा रहा हूं, और आपकी आशीषो की घोषणा। और, परमेश्वर, ये होने पाए। क्योंकि वे लोग ईमानदार है सच्चे हैं कि आत्मा की अगुवाई पर चले, मैं वही करता हूं।

136 अब, मैं मांगता हूं कि मेरी बहन का प्राण कभी नष्ट ना हो, कि उसके हृदय की अनंत जीवन की इच्छा उसे प्रदान की जाएगी, यीशु मसीह के नाम के द्वारा।

137 मैं अपना हाथ अपनी बहन पर रखता हूं, और जानता हूं कि बहुत सी परिक्षाये उसके सामने है। मैं जानता हूं कि वह अपने प्रिय लड़के के लिए प्रार्थना करती है। मैं पिता को जानता हूं, जैसे की आंसू उनके गालों पर से नीचे आ रहे हैं, आज रात्रि, जैसे कि उसने दशमांश का छोटा सा भाग आगे बढ़ाया है। और इस प्रातः जब हमने प्रार्थना की और लड़के को प्रभु परमेश्वर को समर्पित किया। यह मां और पिता बालक से प्रेम करते है। और परमेश्वर वे उस स्थान को चाहते हैं जहां वे अपने इस दाब को बाहर कर दे, और जाने कि हर चीज ठीक–ठाक है। पिता हमने आपको समर्पित कर दिया है। आप इसे प्रदान करेंगे। हमें कोई भय नहीं है। पिता, उसे अभी इस बात का आश्वासन दे दे, यीशु के नाम में, मैं प्रार्थना करता हूं।

138 और पिता यह युवा पुरुष और युवा महिला एक साथ आए हैं, इसलिए मैं अपने हाथ इन पर रखता हूं। वे दबाव से मुक्त होने आए हैं। एक युवा जोड़ा इस प्रकार से सुंदर नौजवान लोग, हम जानते हैं ये शैतान के फंदे हैं यदि वह इनका प्रयोग कर सके। परंतु वे छिन गए हैं, जलती लकड़ी के समान। वे आते हैं क्योंकि वे एक शरण स्थान चाहते हैं। वे उस स्थान पर पहुंचाना चाहते हैं जहां वे दबाव को निकाल दे, दबाव को छोड़ दें, स्वयं को परमेश्वर के सामने शान्त कर ले, और जान ले कि वह परमेश्वर है। पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें आशीषित आश्वासन देंगे इसी समय। होने

पाए हर छोटी परत निकल जाए, इसी समय।

139 प्रभु, यहां यह युवक, जो अपने हाथ उठाए खड़ा है, यह सबसे अंतिम वाला। और जैसे ही यह उठता और आता है, उजियाले आते हैं। यह वह नंबर था जो आपने चाहा, यह आपकी बुलाहट थी। "वह सब जिसे पिता ने मुझे दिया है वे आयेंगे।" हमें केवल एक चीज जो करनी है, वचन को थामे रहे, और वे जिन्हें पिता ने जीवन के लिए ठहराया है आएंगे। और अब वह आता है। वह उस दरार को चाहता है, प्रभु, ताकी वह बैठकर और थोड़ी देर विश्राम कर सके। परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप उसे इसी समय उस दरार की ओर जाएंगे।

140 होने पाए हर बेड़ी टूट जाए। होने पाए हर चीज, हर विरोध जो इन्हें परेशान करता है, होने पाए अभी उनके पास से दूर हो जाए; होने पाए यह छोटी चीजे, थोड़ा सा क्रोध, और थोड़ा सा जो कुछ हो, थोड़ा सा चीज, वह छोटी सी चिंता, वह संदेह, वह छोटा सा पाप। प्रभु, इनके भाई के समान, और आपका दास, मैं उनके लिए बिचवाई करता हूं, जीवते और मृतकों के बीच खड़ा हूं। परमेश्वर, मैं उनके प्राणों का दावा करता हूं। मैं उनकी जय के दावा करता हूं, वेदी की बुलाहट की आज्ञाकरिता में। और हम यह जानते हैं शैतान इसे रोकना चाहता हैं। परंतु हम उनका दावा करते हैं, अब आपके दास के समान, मैं अब करता हूं। और मैं इन्हें यीशु मसीह के सामने लाता हूं, एक विजय चिन्ह के समान उसके अनुग्रह का, आज रात्रि पवित्र आत्मा की उपस्थिति का पुरस्कार, जिसने इन्हें कठिन परिस्थितियों में बुलाया है, और चट्टान के पास लाया है। होने पाए वे दबाव को कम कर ले और जान जाए कि यीशु ने कहा कि, "कोई मनुष्य नहीं आ सकता जब तक मैं उसे ना बुला लू। और वह सब जो आता है, मैं उन्हें अनंत जीवन देता हूं, और अंतिम दिन जिला उठाता हूं।" प्रभु, यह तय हो गया। अब मैं इन्हें आपके सामने उपस्थित करता हूं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

141 जैसे कि आप वहां खड़े हैं, परमेश्वर आपको आशीष दे। जैसे कि आप अपने स्थान पर लौटते हैं, जाए और जान ले हर चीज जिसकी आपने इच्छा की है, और हर एक घिरा हुआ पाप और चीजे जो गलत था, वह लहू के नीचे है। यह समाप्त हो गया है। क्या *आप* विश्वास करते हैं? क्या *आप* इसका विश्वास करते हैं? क्या *आप* विश्वास करते हैं, भाई? क्या *आप*

इसका विश्वास करती हैं, बहन? क्या *आप* विश्वास करते है? तो फिर, यह *होगा* नहीं; इसे होना *ही है*। ठीक बात है। यह भूतकाल है।

142 परमेश्वर आपको आशीष दे, जीवन में सबसे अच्छा और अनंत जीवन, जो अब आपके पास है। जो कि पाप के ऊपर आप चढ़ गए हैं। पाप आपके पैरों तले हैं। यह मेरा क्या भला करेगा, यहां खड़े होकर आपको कुछ गलत बताऊं? तो जीवन का अंत में मैं एक धोखेबाज गिना जाऊंगा। समझे? आपने अनंत जीवन ले लिया है, क्योंकि अपने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर लिया है। अब हर पाप और हर बेड़ी को एक ओर रखते हुए, स्वतंत्र होकर जाए। भाप को निकल जाने दे। आप एक मसीही है। आप पाप से ऊपर उठ गए हैं। अपने–अपने अनंत उद्धार का बयाना ले लिया है क्योंकि मसीह ने आपको स्वीकार किया है।

143 अब क्या उसने नहीं कहा, "मेरे पास कोई मनुष्य नहीं आ सकता जब तक पिता ही उसे ना खींच ले। और वह सब जो आता है, मैं अनंत जीवन देता हूं और अंत के दिनों में जिलाता हूं"? तो फिर यह तय हो गया। आमीन। यह पूरा हो गया। अब परमेश्वर आपको आशीष दे, आप पर अनुग्रहकारी हो।

क्या आप उससे प्रेम करते हैं, वहां बाहर?

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष पर।

144 कितने अनुभव करते हैं दबाव समाप्त हो गया है?

मैंने अपने प्राण का लंगर स्वर्गीय विश्राम में डाल दिया है,
मैं तूफानी समुन्द्रो में और यात्रा नहीं करूंगा;
तूफान गहरे तूफानी को साफ कर सकता है,
परंतु यीशु में मैं सदा के लिए सुरक्षित हूं।

145 जैसे कि चार्ल्स वैस्ली की कहानी, एक दिन समुद्र के किनारे एकांतवास में उसे एक झटका लगा। वह अध्ययन कर रहा था। परमेश्वर उसे अगवाई में वहां ले गया। वह अध्ययन कर रहा था। ओह, परमेश्वर का एक गीत के लिए उस पर अभिषेक था। और उसे—उसे आरंभ करने के लिए कुछ

नहीं मिल सका। वह किसी चीज पर आरंभ करेगा, प्रेरणा उसे छोड़ जाएगी। इसलिए वह समुद्र किनारे टहलने चल दिया, लहरों को सुनने लगा, और सोचा उसे कुछ प्रेरणा मिल सकेगी लहरे छप–छप कर रही थी। एकदम से तूफान आ गया।

संयोग से कुछ घटित नहीं हुआ। हर चीज परमेश्वर की ठहराई हुई थी। कोई मतलब नहीं क्या घटित होता है, सारी बातें कुल मिला कर भलाई के लिए है।

146 और वह एक छोटी सी कोठरी की ओर बढ़ने लगा। जहां उसने हवा को तेज बहते सुना। उसने सोचा, "ओह, मैं तो इससे उड़ जाऊंगा, कि इसके पहले मैं वहां उस—उस किनारे पर पहुंचू।" और उसने अपना कोट उतारा, और मांगना आरंभ कर दिया, और कोई चीज उड़कर उसकी छाती पर आई। उसने देखा, और यह एक छोटी गौरय्या थी, छिपने के लिए आई थी। उसने उसे अपनी छाती से लगाए रखा जब तक तूफान रुक नहीं गया, और सूरज निकल आया। उसने उस छोटी चीज को अपनी उंगली पर बैठाया, और उसे उड़ जाने दिया, और वहां उड़ गई, और फिर उसे प्रेरणा मिली:

युगों की चट्टान, मेरे लिए दरार,
मुझे उसमें छिप जाने दो।

147 ओह मुझे यह पसंद है! युगों की चट्टान, वह चट्टान उजाड़ देश में, तूफान के समय एक शरण स्थान। समझे? वह चट्टान एक थका देने वाले देश में तू मुझे छिपा ले। मुझे छिपा, ओह युगों की चट्टान, मेरे लिए दरार। गीत लिखने वाले कि एक महान प्रेरणा और वे बातें जिनका हम आज आनंद लेते हैं!

आप कहते हैं, "क्या वे गीत प्रेरणा से है? "

148 यीशु ने जब वह यहां पृथ्वी पर था उसका उल्लेख किया, कहा, "क्या ये तुम्हारे भजनों में नहीं लिखा, दाऊद ने *अमूक–अमूक* बात कही? " निश्चय ही, वे प्रेरणा से है। जैसे कि प्रचार या कोई और चीज, यह प्रेरणा से हुआ।

149 मैं बहुत आनंदित हूं कि मेरे पास शरण स्थान है, मेरे पास और कोई दूसरा नहीं। जी हां।

जी हां मेरी आशायें किसी कम पर नहीं बनी है
सिवाये यीशु का लहू और धार्मिकता पर;
जब चारों ओर से मेरा प्राण मार्ग देता है,
तब वह मेरी आशा और ठिकाना है।

क्योंकि मसीह पर, वो ठोस चट्टान, मैं खड़ा हूं,
दूसरी सारी भूमि धसने वाली रेत है। (कोई मतलब
नहीं यह क्या है।)

150 परमेश्वर आपको आशीष दे। अब आपके पास्टर, भाई रुडेल। खेद है, शैतान ने बत्तियां बुझा दी, परंतु जो भी है जीत परमेश्वर की है। आमीन।

62-0513E दबाव मुक्त होना
गोस्पल टेबरनेकल
जेफ़्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org